newsjankalyanseva@gmail.com

साप्ताहिक

जनकल्याण सेवा

ठाणे | वर्ष - २२ | अंक - ४३ | १३ से १९ नवंबर २०२३ | पृष्ठ - ४ | कीमत : २ रु. | Postal Reg. No. PLG/08/2022-2024

संपादकीय

संपादक सीमा गुप्ता

भुकंप की आहट

विडंबना यह है कि भूकम्प एक ऐसी आपदा है, जिसके आने के वक्त के बारे में कोई पक्की और तात्कालिक सूचना हासिल करने या अनुमान लगा पाने की कोई तकनीक विकसित नहीं हो सकी है। प्राकृतिक उथल–पुथल के रूप में कोई आपदा तबाही का कारण बनती है, तो वह कई बार आने वाले उससे बड़े खतरे का आहट होती है। शुक्रवार को नेपाल से लेकर उत्तर भारत के एक बड़े इलाके में आए भूकम्प का दायरा जितना बड़ा था और जितनी अवधि के लिए दर्ज किया गया, उसे एक तरह से समय रहते खतरे से बचाव का इंतजाम करने की चेतावनी माना जाना चाहिए। हालांकि इससे जानमाल का नुकसान मुख्य रूप से नेपाल में सीमित रहा और वहां डेढ़ सौ से ज्यादा लोगों की जान जाने की खबर आई, लेकिन इस बार धरती हिलने की जैसी प्रकृति देखी गई, उससे भविष्य को लेकर कई तरह की आशंकाएं पैदा हुई हैं। गौरतलब है कि ६.४ तीव्रता वाले इस भूकम्प का केंद्र काठमांडो से तीन सौ इकतीस किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में दस किलोमीटर जमीन के नीचे था। नेपाल में इसका असर सबसे ज्यादा देखा गया, लेकिन भारत में भी दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों में देखा गया, जहां काफी देर तक लोगों ने धरती का हिलना महसूस किया। पिछले कुछ समय से दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार भूकम्प से तबाही के मामले सामने आ रहे हैं, उससे यह आशंका उभरती है कि कहीं धरती के भीतर कोई व्यापक उथल–पुथल तो नहीं हो रही है। शुक्रवार को आए भूकम्प को नेपाल में इससे पहले २०१५ में आए विनाशकारी भूकम्प के बाद सबसे घातक और खतरनाक माना जा रहा है। गौरतलब है कि २५ अप्रैल २०१५ को नेपाल में ७.८ तीव्रता का जबरदस्त भूकम्प आया था, जिसमें जानमाल की व्यापक हानि हुई थी। आंकड़ों के मुताबिक, इसमें करीब दस हजार लोगों की मौत हो गई, दस लाख घरों को नुकसान पहुंचा और करीब अट्ठाईस लाख लोग विस्थापित हुए थे। यों नेपाल में पिछले तीन सालों में ५.५ तीव्रता वाले भूकम्प पांच बार आ चुके हैं। भारत के भी कई राज्यों में पिछले कुछ समय से जिस तरह कम या ज्यादा तीव्रता वाले भूकम्प आ रहे हैं, उसे एक तरह से बचाव के इंतजामों को लेकर सचेत रहने की चेतावनी माना जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भूकम्प एक ऐसी आपदा है, जिसके आने के वक्त के बारे में कोई पक्की और तात्कालिक सूचना हासिल करने या अनुमान लगा पाने की कोई तकनीक विकसित नहीं हो सकी है। ज्यादा तीव्रता वाला भूकम्प आने के बाद यह राहत के स्वरूप पर निर्भर करता है कि कितने लोगों की जान बचाई जा सकी। इससे पहले सिर्फ यही रास्ता बचता है कि इंसान अपनी रिहाइश के ऐसे तौर–तरीके और बचाव के इंतजाम विकसित करे, जिसमें बड़े भूकम्प में भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बच सके। घर बनाते समय हल्के वजन के घर या भूकम्परोधी बुनियाद पर इमारत का निर्माण अचानक आए भूकम्प की स्थिति में बचाव की एक गुंजाइश देता है। इसके साथ जो इलाके भूकम्प के लिहाज से संवेदनशील

पानी को लेकर एक दुसरे पर लगा रहे है आरोप

मीरा–भाईंदर में पानी की किल्लत से राजनीतिक पारा बढा दिया है। शहर में पिछले कई साल से पानी की किल्लत बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, एमआईडीसी और स्टेम प्राधिकरण से तय मात्रा से रोजाना औसतन ३० एमएलडी (३ करोड़ लीटर) पानी कम मिल रहा है। इस मसले पर शिवसेना (शिंद गट) विधायक प्रताप सरनाईक, पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता और विधायक गीता जैन के वीच तलवारें खिंच गई हैं। जहां गीता और सरनाईक इसका दोष मेहता के सिर मढ रहे हैं, तो मेहता ने इन दोनों को निशाने पर लिया है। नरेंद्र मेहता ने तो दोनों विधायकों को नाकारा बताते हुए उन्हें चुनौती तक दे डाली है कि अगर उनकी लापरवाही सामने आती है, तो आधी मुंह कटा देंगे। मेहता ने कहा कि दोनों विधायकों की लापरवाही के कारण सूर्या डैम का काम अब तक नहीं हुआ है, जो २०२२ में पूरा होना था। शहर की पानी की

जरूरत के मद्देनजर २०१८ में मेहता के कार्यकाल में सूर्या डैम से पानी की योजना का भूमिपूजन हुआ था। इसे २०२२ में पूरा होना था, लेकिन अव २०२४ में तक खिंच सकती है। इससे शहर को २१८ एमएलडी पानी मिलने वाला है। सूर्या डैम से चेना तक पाइप लाइन विछाकर पानी लाने की जिम्मेदारी एमएमआरडीए की है, तो चेना से मीरा–भाईंदर तक एमवीएमसी को लाइन विछानी है। मंगलवार को सरनाईक और जैन ने चेना में बन रही ४५ एमएलडी की पानी टंकी का जायजा लिया। सरनाईक और जैन ने बताया कि पिछले २ महीने से चेना का काम ७११ कंपनी के कारण रुका हुआ है, जो मेहता के स्वामित्व वाली कंपनी है। उन्होंने पानी की किल्लत के लिए मेहता को जिम्मेदार ठहराया है। मेहता ने पलटवार करते हुए जैन और सरनाईक पर हमला बोला। उन्होंने सरनाईक की मर्दानगी को चुनौती देते हुए कहा कि अगर वह गलत साबित हुए, तो 'आधी मूछ काटकर घूमेंगे। मेहता ने बताया कि जिस जमीन से पाइप लाइन लाने की बात है, वह इको सेंसेटिव जोन है, जिसकी एमबीएमसी के पास एनओसी नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर इको सेंसेटिव जोन के लिए लिखित आश्वासन मिले तो वह आज जमीन देने को तैयार हैं। उन्होंने दावा किया कि एमएमआरडीए की तरफ से हासिल एनओसी के आधार पर एमबीएमसी काम की फिराक में है। सरनाईक पर ७० करोड़ के दुरुपयोग का आरोप: मेहता ने कहा कि जो आदमी अपनी जमीन की देखभाल नही कर सकता, वह शहर की क्या करेगा ? गौरतलब है कि सरनाईक ने चेना परिसर में अपनी जमीन से सैकडों पेड़ चोरी होने की एफआईआर लिखवाई है, जबकि आरोप था कि उन्होंने प्रॉजेक्ट के लिए खुद पेड़ कटवाए है। मेहता ने आरोप लगाया। कि सरनाईक ने मनपा के खर्च से १६ करोड़ की सडक़ बनवाई है और मनपा के ७० करोड़ का दुरुपयोग किया है।

अदालत शुरु होने के लिए मिल रही है तारीख पर तारीख

मीरा–भाईदर: पिछले एक दशक से प्रस्तावित मीरा रोड के फर्स्ट क्लास जूडिशल मजिस्ट्रेट कोर्ट को शुरू करने की 'अगली तारीख' मिल गई है। शिवसेना विधायक प्रताप सरनाईक

ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मार्च २०२४ तक कोर्ट शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी नागपुर विधानसभा सत्र में वह इस संबंध में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग करेंगे। गौरतलब है कि २०१३ में राज्य सरकार शुरू करने की मान्यता दी थी और राज्य सार्वजनिक निर्माण विभाग को इमारत बनाने का काम दिया गया था। लगभग ५ साल पहले कोर्ट की इमारत बनकर तैयार हो गई थी, लेकिन फर्नीचर, विजली उपकरण और अन्य कामों को पूरा करने में ५ साल लग गए। सूत्र बताते हैं कि फंड की कमी, लालफीताशाही और कोरोना के कारण कोर्ट का काम इतने दिनों के लिए लटक गया। कोर्ट को जल्द शुरू करने को लेकर वकीलों के संगठन कई वार आंदोलन भी कर चुके है। ऐडवोकेट राजदेव पाल बताते हैं कि मीरा रोड में कोर्ट बन जाने से ठाणे जिला कोर्ट पर काम का दबाव घटेगा। इससे मीरा–भाईंदर की हद में ६ पुलिस स्टेशन के समय की भी बचत होगी। गौरतलब है कि ठाणे कोर्ट आने–जाने में पुलिसकर्मियों का आधे दिन बीत जाता है। ४,२०० वर्गमीटर में बन रहे कोर्ट की इमारत ४ मंजिला है । इमारत को बनाने में अब तक लगभग १५ करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। इसके अलावा, ४ प्रथम श्रेणी के न्यायाधीशों का निवास भी बन रहा है। न्यायालय में महिला वकीलों की जरूरतों का भी खयाल रखा गया है।

कुख्यात आरोपी नासिर अली खान को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भायंदर: नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, मुंबई (एनसीबी) द्वारा नशीले पदार्थ के आरोप में जेल से पैरोल पर छूटे आरोपी नासिर अली शेर अली खान को मीरारोड से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी नसीर अली (५२) को एनडीपीएस एक्ट ८ (सी), २१, २९ के तहत बॉम्बे सेशंस कोर्ट ने मई २०१० में को नशीले पदार्थ रखने के आरोप में १० साल की सजा सुनाई गई थी। उसके बाद आरोपी नासिक रोड सेंट्रल जेल में सजा काट रहा था। बाद में उसे ११ फरवरी २०११ से ३० दिनों के लिए पैरोल पर छोडा गया था। आरोपी उक्त छुट्टी के दौरान मात स्ट्रीट, मुंबई आ गया, लेकिन पैरोल की अवधि समाप्त होने के बाद जेल में पेश नही हुआ। जिसको लेकर उसके खिलाफ मुंबई में एक मामला दर्ज किया गया था। मुंबई पुलिस ने पैरोल छुट्टी पर फरार आरोपी की तलाश की लेकिन वह नहीं मिला। तथा पिछले १२ साल से पैरोल छुट्टी से फरार था. पुलिस को गुप्त जानकारी मिली कि आरोपी अपनी दूसरी पत्नी के साथ मीरारोड में रह रहा है. जिस पर पुलिस ने इस पर पैनी नजर रखी तथा यह खबर मिलने पर की वह मीरारोड से ठाणे आ रहा है तो पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। इस संबंध में जे. जे. मुंबई

शहर के मार्ग पुलिस स्टेशन को सूचना देने पर पैरोल छुट्टी पर फरार आरोपी नासिर अली । शेर अली खान उम्र ५२ वर्ष को आगे की कार्रवाई के लिए हिरासत में ले लिया गया है। यह कार्यवाही मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय के अविनाश अंबुरे पुलिस उपायुक्त (अपराध), अमोल मांडवे सहायक पुलिस आयुक्त (अपराध) के मार्गदर्शन । में केन्द्रीय अपराध जांच शाखा के प्रभारी पुलिस निरीक्षक राहुल राख, बेदरे, सारक, हितेंद्र विखे, संग्राम गायकवाड, राजाराम काले, महेश वेल्हे, प्रवीणराज पवार, अनिल नागरे, आसिफ मुल्ला, सतीश जगताप, स्वाजी पाटिल, गोविंद केंद्रा, सचिन चौधरी द्वारा की गई।

करीब १२ वर्षों से मुंबई पुलिस को चकमा देने वाले इस आरोपी को मीरा–भायंदर, वसई–विरार सेंट्रल क्राइम ब्रांच गिरफ्तार करने में कामयाब हुई. पुलिस उपनिरीक्षक हितेंद्र विचारे को मुखबिरों से गुप्त जानकारी मिली की फरार आरोपी नसीर अली खान अपनी दूसरी पत्नी के साथ मीरा रोड में रह रहा है. आरोपी की पूरी जानकारी प्राप्त कर पुलिस टीम ने उसे ८ नवंबर को मीरा रोड पूर्व के शीतल नगर स्थित शाही होटल के पास से जाल बिछाकर गिरफ्तार कर लिया और उसे मुंबई के जे. जे. मार्ग पुलिस के हवाले कर दिया. यह कारवाई पुलिस उपायुक्त (अपराध) अविनाश अंबुरे, सहायक पुलिस आयुक्त अमोल मांडवे, प्रभारी पुलिस निरीक्षक राहुल राख आदि के मार्गदर्शन में की गई.

महापरिनिर्वाण दिवस पर लाखों अनुयायी को सुविधा देने की मांग

मुंबई : ६ दिसंबर को दादर के चैत्यभूमि में डॉ. बाबासाहब अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर लाखों अनुयायी उन्हें श्रद्धांजली देने आते है। चैत्यभूमि में १ दिसंबर से ही देशभर से श्रद्धालु आते हैं।इसलिए चैत्यभूमि और शिवाजी पार्क में अनुयायियों के लिए बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए। इसके लिए मुख्य सचिव मनोज सौनिक ने सुझाव देते हुए कहा कि सूक्ष्मता से योजना बनाकर क्रियान्वयन किया जाए। मुख्य सचिव मनोज सौनिक की अध्यक्षता में मुख्य सचिव कार्यालय के समिति कक्ष में महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर चैत्यभूमि और शिवाजी पार्क में बीएमसी की ओर से प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक मे बीएमसी अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी जोशी, मुंबई पुलिस विशेष आयुक्त देवेन भारती, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के प्रमुख सचिव आशीष शर्मा, कलेक्टर राजेंद्र क्षीरसागर, महापरिनिर्वाण दिवस समन्वय समिति के उपाध्यक्ष महेंद्र साल्वे, महासचिव नागसेन कांबले सहीत कई पदाधिकारी शामिल थे। मुख्य सचिव मनोज सौनिक ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में अधिक सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। शौचालयों को पारंपरिक विधि के बजाय रासायनिक विधि से बनाया जाना चाहिए। भीड़-भाड़ वाले स्थानों को चिन्हित कर एवं आधुनिक धूल नियंत्रण उपकरणों का उपयोग कर धूल को नियंत्रित किया जाना चाहिए। चैत्यभूमि पर सुरक्षा दीवार का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा पूर्ण कराया जाये। चैत्यभूमि क्षेत्र में वाटरप्रूफ मंडप बनाया जाना चाहिए। प्रत्येक विभाग उन्हें दी गई जिम्मेदारी का सफलतापूर्वक निर्वहन करें। सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढाकर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने का ध्यान रखा जाए।

आयुक्त ने दी फटकार, ठेकेदारों में मचा हडकंप

भायंदर, मीरा–भायंदर मनपा के विभिन्न विकास कार्यों में सुरक्षा के उपाय योजना नहीं करने, कार्य में विलंब और टालमटोल करने तथा निकृष्ठ दर्जे के निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों की नकेल आयुक्त संजय श्रीपतराव काटकर ने कसने की शुरुआत की है. अब ऐसे ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ–साथ मनपा के संबंधित अभियंता पर भी कार्रवाई करने तथा ठेकेदार के कार्यों के बिल की अदाएगी नहीं करने का निर्णय आयुक्त ने लिया है, जिससे

ठेकेदारों सहित मनपा के अभियंताओं में भी हडक़ंप मच गया है. खराब हिस्से को तोडक़र हुआ पुन: निर्माण: शहर के विकास कार्यों के स्थल का निरीक्षण किया गया, जिसमें मीरागांव के पास, पूनम गार्डन और जांगिड से प्लीजेंट पार्क तक के कंक्रीट रोड के निर्माण में कंक्रीट का कुछ हिस्सा खराब होने रोड का लाइन लेवल सही न होना पाया गया था. जवाब न मिलने पर खराब हिस्से को तोडक़र पुन: निर्माण की प्रक्रिया शुरू की गई है, ऐसी जानकारी मनपा के शहर अभियंता दीपक खांबित ने दी है.

मानवाधिकार आयोग ने आदिवासी विकास मंत्रालय को किया तलब

पालघर : मानवाधिकार आयोग ने ख़बर का संज्ञान लेते हुए ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुख्य सचिव, आदिवासी विकास मंत्रालय के मुख्य सचिव और जिला परिषद के सीईओ को तलब किया है।

आयोग ने सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को इस संदर्भ में जवाब देने को कहा है। यह मामला पालघर जिले के अंतर्गत आदिवासी विद्यार्थियों के आश्रम शाला से संबंधित है। डहाणू तालुका के कासा स्थित चारोटी में महात्मा गांधी आदिवासी आश्रम शाला है। इस विद्यालय में आदिवासी विद्यार्थियों को शिक्षा दी जाती है। इसका संचालन पूर्व विधायक आनंद भाई ठाकुर की संस्था करती है। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए शौचालय न हाने के लिए बाथरूम तक नहीं है। यहां रहनेवाले बच्चों को शौच व नहाने के लिए पास की एक नदी में जाना पडता है। कई बार बुनियादी सुविधाओं की किल्लत को लेकर शिकायत किए जाने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं आया है। इसके अआवा, विद्यालय में पीने के पानी की भी उचित व्यवस्था नहीं है। बच्चों को बोरिंग का पानी पीना पडता है। यहां आज भी चूल्हे पर लकडी जलाकर ही खाना बनाया जाता है। केंद्र सरकार की उज्ज्वला गैस योजना आज भी कोसों दूर है।

मुंबई में दिसंबर में होगी इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सी की शुरुआत

जेकेएस संवाददाता

मुंबई. मुंबई में आगामी दिसंबर में इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सियों की शुरुआत होने जा रही है. इसके साथ ही भारत की यह बिजनेस कैपिटल अपने ट्रांसपोर्ट में एक उल्लेखनीय बदलाव का गवाह बनने जा रही है. ये इनोवेटिव वॉटरक्राफ्ट दक्षिण मुंबई में प्रतिष्ठित गेटवे ऑफ इंडिया और नवी मुंबई में बेलापुर के बीच की दूरी को पाटने का काम करेंगे. ये इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सियां स्थानीय निवासियों और मेहमानों दोनों के लिए एक टिकाऊ और सुरक्षित यात्रा विकल्प मुहैया कराएंगे. एक प्रमुख निजी वॉटर टैक्सी ऑपरेटर, इन्फिनिटी हार्बर सर्विस ने चार अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सियां प्राप्त करने के लिए पर्याप्त निवेश किया है, जिनमें से प्रत्येक की कीमत लगभग २.५ करोड. रुपये है. टिकाऊ परिवहन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में, दो २४ सीटों वाली इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सियां वर्तमान में गोवा के सुंदर तटों पर कठिन परीक्षण

दौर से गुजर रही हैं, जबकि अतिरिक्त दो छह सीटों वाली वॉटर टैक्सियां गोवा के खूबसूरत जलमार्गों में अपनी गति से चल रही हैं. इन्फिनिटी हार्बर सर्विस के मैनेजिंग पार्टनर सोहेल कजानी ने घोषणा की कि २४ सीटों वाली इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सी दक्षिण मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया को नवी मुंबई में बेलापुर से जोडऩे वाले मार्ग पर ले जाने के लिए तैयार है. यह पर्यावरण के प्रति जागरूक जल परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है. इन इलेक्ट्रिक वॉटर टैक्सियों की सबसे उल्लेखनीय विशेषताओं में से एक उनकी एनर्जी एफिशिएंसी है. वे एक बार चार्ज करने पर लगातार चार घंटे तक चल सकती हैं. जबकि पारंपरिक बोट प्रति घंटे १४० लीटर डीजल की खपत करती है. यह न केवल पर्याप्त लागत बचत का वादा करती है, बल्कि मुंबई की जल परिवहन प्रणाली के लिए एक हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का भी प्रतिनिधित्व करती है.

समाज सेवी योगेशजी तिया की इंसानियत

मुंबई : साईं सेवक योगेश तिया अपनी मां इंदुमती तिया से प्रेरणा लेकर और अपनी पत्नी माधुरी तिया के मार्गदर्शन में वे लगातार सामाजिक कार्य को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने समाज सेवा के तहत गणेशपुरी गांव में कई सामाजिक कार्य

किए हैं। उन्होंने अपने जन्मदिन के अवसर पर गणेशपुरी गांव में प्रत्येक परिवार को पांच किलो चीनी वितरित की। इनके द्वारा प्रतिदिन अन्न दान किया जाता है। उन्होंने बेहद कठिन परिस्थितियों और संघर्षपूर्ण जीवन से गुजरते हुए अपना सफर सफलतापूर्वक तय किया है। उन्हें कई मीडिया जगत से जन्मदिन की शुभकामनाएं और बधाइयां मिल रही हैं। दिवाली के अवसर पर गणेशपुरी गांव के युवाओं ने इसका आभार व्यक्त किया। उनके भाई भरत तिया समय–समय पर उनकी मदद कर उनका समर्थन कर रहे हैं और उनकी समाज सेवा को मजबूत कर रहे हैं।

भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में नेकी की दीवार संस्था ने वितरित की दवाइयां

मुंबई : भारतीय संस्था नेकी की दीवार ने जजरकोट में भूकंप पीडितों को चिकित्सा सहायता प्रदान की है। संगठन ने भूकंप में घायल हुए लोगों की मदद करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की दवाए प्रदान की हैं। नेकी की दीवार संगठन के भारतीय प्रतिनिधि गुरमील गिल ने सशस्त्र पुलिस बल नेपाल नंबर ७ वैद्यनाथ के कमांडर सशस्त्र पुलिस उप महानिरीक्षक कुमार न्यूपेन को दवा सौंपी। पुलिस उप महानिरीक्षक न्युपाने ने समर्थन के लिए भारतीय संगठन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि सहायता सामग्री भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में भेजी जाएगी। नेकी की दीवार संस्था के प्रतिनिधि गिल ने कहा कि उन्हें भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में दवा की मदद करने में खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि नेकी की दीवार संस्था समस्याग्रस्त क्षेत्रों में मदद कर रही है। संस्था की अध्यक्षता धनगढी के हिमांशु भट्ट जी कर रहे हैं

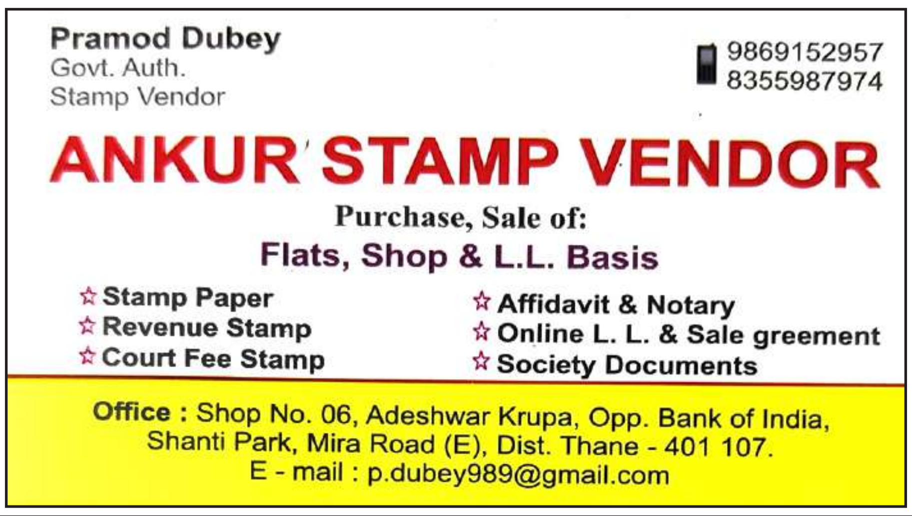

महाराष्ट्र में भिड़े एकनाथ शिंदे गुट के सीनियर नेता गजाननत कीर्तिकर और रामदास कदम

मुंबई : शिंदे सेना के दो वरिष्ठ नेता सांसद गजानन कीर्तिकर और पूर्व कैबिनेट मंत्री रामदास कदम के बीच आरोप–प्रत्यारोप खत्म ही नहीं हो रहा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दोनों नेताओं को संयम बरतने को कहा था, लेकिन ऐन दिवाली पर दोनों ने एक बार फिर एक–दूसरे पर उंगली उठाई है। रामदास कदम ने गजानन कीर्तिकर पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पार्टी पर छुरा नहीं चलाना चाहिए। इसके जवाब में गजानन कीर्तिकर ने रामदास कदम को गद्दार कह डाला। उन्होंने कहा कि गद्दार के मुंह से विश्वासघात जैसे शब्द निकालना हास्यास्पद है। इससे पहले कीर्तिकर

की सीट को लेकर विवाद हुआ था। मुंबई उत्तर पश्चिम लोकसभा सीट से अभी गजानन कीर्तिकर सांसद हैं। उनकी उम्र हो गई है। इस सीट पर रामदास कदम की नजर है। वह अपने बेटे के लिए मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से टिकट चाहते हैं। इस बात को लेकर भी दोनों के बीच तनानती है।

प्लेटफॉर्म पर पहुंची ट्रेन में मिली लटकती लाश! रवाना होने से पहले नाबालिग ने लगाई फांसी

मुंबई : रेल परिसर में हादसाग्रस्त होने के कारण मरनेवालों में से ज्यादातर की शिनाख्त रेलवे पुलिस के लिए बड़ी चुनौती साबित होती है, क्योंकि ज्यादातर लाशें क्षत-विक्षत हो जाती हैं अथवा मृतक बेघर, विक्षिप्त आदि होते हैं। मानवीय भावना के कारण रेलवे पुलिस फिर भी मृतकों की शिनाख्त के लिए हरसंभव प्रयास करती है, ताकि मृतक की शिनाख्त हो जाए और उसके परिजन उसके शव का अंतिम संस्कार कर सकें। ऐसे ही एक शव की शिनाख्त का मुश्किल कार्य पूरा करने के कारण बांद्रा रेलवे पुलिस की हर ओर प्रशंसा हो रही है। दरअसल, मामला १४ वर्षीय बच्चे की खुदकुशी से जुड़ा है। बताया जा रहा है कि उक्त बच्चे का शव बांद्रा टर्मिनस रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉम क्रं. २ पर खड़ी बांद्रा-हरिद्वार एक्सप्रेस ट्रेन के बोगी क्रमांक एस-७ की सीट ७६, ७७, ७८ के पास फंदे से लटका मिला। यात्री जैसे ही सफर के लिए उक्त कोच में पहुंचे, वहां फंदे से लटकती बच्चे की लाश देखकर सन्न रह गए। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविंद्र शिवरामवार के मार्गदर्शन व एपीआई हावले के नेतृत्व में बांद्रा रेलवे पुलिस की टीम ने छानबीन की तो पता चला कि बच्चे को करीब सप्ताह भर पहले देखा गया था। तब उसने एक सफाईकर्मी से विनती करके उसका फोन लिया और अपने पिता को फोन किया था। हालांकि, तब उस बच्चे ने अपना नाम साहिल बताया था। बताया जा रहा है कि सफाईकर्मी ने मृतक बच्चे को तुरंत पहचान लिया। पुलिस ने उसका फोन खंगाला और उस नंबर पर संपर्क किया, जिस पर साहिल ने खुदकुशी करने से सप्ताहभर पहले फोन किया था। वह नंबर दिल्ली में रहनेवाले साहिल के पिता का निकला। पुलिस को यह भी पता चला कि मृत बच्चे का नाम साहिल नहीं बल्कि आमिर है। पुलिस यह जानकर हैरान रह गई कि आमिर करीब महीने भर पहले घर से भाग गया था, लेकिन उसके परिजनों ने दिल्ली के संबंधित पुलिस थाने में उसकी गुमशुदगी की शिकायत नहीं की थी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि आमिर को नशे की लत लग गई थी। उसी वजह से वह करीब सालभर पहले भी घर से भाग निकला था, तब परिजनों से पुलिस में शिकायत भी की थी लेकिन कुछ दिन भटकने के बाद आमिर खुद ही लौट आया था। इस बार भी सप्ताहभर पहले आमिर ने सफाईकर्मी के मोबाइल से फोन करके अपने पिता को उसके दिल्ली में ही होने की जानकारी दी थी, साथ ही वह जल्द ही वापस लौट आएगा, ऐसा भी कहा था। बाद में बांद्रा रेलवे पुलिस से आमिर के खुदकुशी की खबर परिजनों को मिली। नशे के कारण ही उसने खुदकुशी की होगी, ऐसा पुलिस का अनुमान है।

पल्यूशन पर १४ आरएमसी प्लांट ऐक्शन में आया एमपीसीबी, नियमों का पालन करने का दिया निर्देश

जेकेएस संवाददाता

मुंबई: महानगर में बढ़ते प्रदूषण को लेकर महाराष्ट्र प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड (एमपीसीबी) ऐक्शन में आ गया है। एमपीसीबी ने १४ आरएमसी प्लांट को नोटिस जाकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। गौरतलब है कि आरएमसी प्लांट स्थल पर तय नियमों का पालन न होने से प्रदूषण काफी बढ़ता है। इसी के चलते लगातार इन प्लांट्स पर कार्रवाई हो रही है।वढते वायु प्रदूषण को देखते हुए मेडिकल शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने अस्पतालों को पर्याप्त व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। क्योंकि, प्रदूषण के चलते सांस से जुडी बीमारियों के मरीज बढ. सकते हैं। जेजे अस्पताल में ऐसे मरीजों के लिए स्वतंत्र ओपीडी बनाई गई है, ताकि सांस की बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को तत्काल इलाज मिल सकें। सुबह ८ बजे से दोपहर १२.३० बजे तक शुरू रहेगी। अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में भी खास इंतजाम किए गए हैं। मंत्री ने अस्पतालों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वहां किसी प्रकार की दवाओं की कमी न हो मुंबई में बढ़ते प्रदूषण से चिंतित केसरकर ने लोगों ने दिवाली में कम से कम पटाखे फोड़ने के ध अपील की है। उन्होंने कहा कि पटाखे की वजह से फैलने वाला प्रदूषण सभी के लिए हानिकारक है। इसलिए मुंबई को प्रदूषण से बचने के लिए नागरिक स्वत: ही पटाखे न फोडें.। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की तरफ से पटाखे फोड़ने पर पाबंदी नहीं लगाई गई है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का नागरिकों को पालन करना होगा। केसरकर ने कहा कि मुंबई में जहां भी एसिड का इस्तेमाल होता है, उन्हें तत्काल रोकने को कहा गया है। बीएमसी ने ऐसे कारखानों को नोटिस दिया है। क्योंकि यह नागरिकों के लिए हानिकारक हैं।महानगर में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सभी २४ वॉड में ९६ स्कॉड टीम का गठन किया गया है। मुंबई में ६ हजार कंस्ट्रक्शन साइट्स पर जाकर नियमों के पालन की जांच कर रहे हैं। वीएमसी अव तक एक हजार से अधिक कंस्ट्रक्शन साइट्स को सूचना नोटिस जारी कर चुकी है।वीएमसी के एक अधिकारी ने कहा कि आवश्यकता के आधार पर स्कॉड की संख्या बढाई जाएगी, क्योंकि कुछ वॉडों में वडे.पैमाने पर काम चल रहे हैं। एमसी की यह टीम वायु प्रदूषण नियमों का कडाई से पालन सुनिश्चित करते हुए सार्वजनिक और निजी दोनों निर्माण स्थलों की निगरानी करेंगे। अधिकारी ने कहा कि हम एक ऐसी प्रणाली विकसित कर रहे हैं, जिसमें प्रत्येक स्क्वॉड द्वारा प्रतिदिन किए गए दौरों और साइट्स विजिट की रिपोर्ट मिल सके। वीएमसी के उपायुक्त मनीष पिंपले ने कहा कि वर्तमान में ये स्क्वॉड केवल सूचना नोटिस दे रहे हैं। जिस समय से वायु प्रदूषण पर कंट्रोल के लिए गाइडलाइंस जारी की गई थी, तव सभी निर्माण स्थलों को सभी उपाय करने के लिए १५ दिन का समय दिया गया था।

नहीं है पीयूसी तो लगेगा दंड! ६७ वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई

जेकेएस संवाददाता

ठाणे : कोर्ट ने मुंबई और ठाणे जैसे शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। तदनुसार, ठाणे क्षेत्रीय परिवहन विभाग (आरटीओ) ने काम करना शुरू कर दिया है। विभाग ने शहर में पीयूसी केंद्रों पर छापा मारकर जांच करना शुरू कर दिया है, वहीं पिछले नौ दिनों से वाहनों का पीयूसी जांच अभियान भी चलाया गया है। इसमें ६७ वाहनों पर ८८ हजार रुपए जुर्माने की कार्रवाई की गई है। बता दें कि हवा में वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ गया है। ऐसे में यदि समय रहते इसका समाधान नहीं खोजा गया तो यह एक बड़ी चिंता का विषय बन सकता है। इसलिए ठाणे क्षेत्रीय परिवहन विभाग वाहन उत्सर्जन से होनेवाले प्रदूषण को रोकने के लिए सतर्कता बरतना शुरू कर दिया है। पीयूसी केंद्र ने वाहन के साथ एक निरीक्षण अभियान शुरू किया है। उप क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी जयंत पाटील के मार्गदर्शन में १ से ९ नवंबर तक ठाणे शहर में वाहनों के पीयूसी निरीक्षण में पाया गया कि ६७

वाहनों में पीयूसी नहीं है। सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी प्रसाद नलावडे ने बताया कि दोषी वाहन मालिकों को पीयूसी चालान देकर ८८ हजार का जुर्माना वसूला गया है। कुछ लोग इसे नजरअंदाज कर रहे हैं और धड़ल्ले से ट्रैफिक नियम तोड़ रहे हैं। ऐसे वाहन के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है और वाहनचालकों और मालिकों को तुरंत वाहन का पीयूसी प्रमाणपत्र प्राप्त करना चाहिए।

लाखों रुपए का स्क्रैप बेचने के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले ४ आरोपी गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

वसई : एल्युमीनियम स्क्रैप का माल बेचने और गलत नाम बताकर धोखाधडी करने वाले गिरोह को मांडवी पुलिस स्टेशन की टीम ने करवाई की है। उनसे कुल २०,०२,३३२ रुपए कीमती मुद्देमाल व नकदी बरामद किया है। यह कार्रवाई डीसीपी सुहास बावचे व एसीपी रामचंद्र देशमुख के मार्गदर्शन में मांडवी थाने के सीनियर पीआई प्रफुल्ल वाघ, अशोक कांबले (अपराध) के नेतृत्व में पीएसआई चंद्रकांत पाटील की टीम ने की है। पुलिस ने बताया कि जगदीश सरदारमल सुतार ने २८ अक्टूबर २०२३ को मांडवी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। मांडवी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, प्रफुल्ल वाघ ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कलम ४२०, ३४ के तहत मुकदमा दर्ज किया था। शिकायतकर्ता एल्युमीनियम स्क्रैप का व्यापारी है, वह भारत के कई राज्यों से बिचौलियों के माध्यम से स्क्रैप खरीदते हैं। आरोपी ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया और बताया कि मेढे गांव, ता. वसई, जिला-पालघर में बडी मात्रा में स्क्रैप उपलब्ध है। शिकायतकर्ता को स्क्रैप लेने के लिए बुलाया गया था। कंपनी सागर मेटल और जीएसटी नंबर के बारे में जानकारी देकर व्यापारियों (शिकायतकर्ता) का विश्वास हासिल किया। आरोपियों ने स्क्रैप डीलर और एजेंट होने का नाटक किया और डीलर को मेढे में बुलाने और २७,८७,२३६ रुपए मूल्य का १५ टन एल्यूमीनियम स्क्रैप खरीदने का फैसला किया। इस स्क्रैप सामग्री को मेढे स्थित गुरुकृपा रियलकॉन कंपनी से खरीदने का निर्णय लिया गया। १५७ रुपए प्रति किलो की दर से २७,८७,२३६ रुपए का माल खरीदा गया तथा व्यापारी को ट्रक बुलाकर माल लदवाया गया। माल की डिलिवरी से पहले व्यापारी से जीएसटी समेत उक्त सारी रकम सागर मेटल के नाम पर ट्रांसफर करा ली गई। खाते में पैसा जमा होते ही सामान लदा ट्रक सौंप दिया जाएगा व दुकानदार का पैसा भी दिया जाएगा, इतना कहकर आरोपी अपने साथ स्विफ्ट कार में बैठकर भाग गए। आरोपियों ने तुरंत उनके खाते में मौजूद पैसे दूसरे खातों में ट्रांसफर कर दिए और अपना मोबाइल नंबर भी ब्लॉक कर दिया। जब फिरयादी को पता चला कि उसके साथ धोखाधडी हुई है तो शिकायतकर्ता पुलिस स्टेशन में जाकर शिकायत दर्ज करवाया। तकनीकी जांच के दौरान पता चला कि आरोपी कल्याण शिलफाटा में है, क्राइम ब्रांच कल्याण टीम की मदद से ३ आरोपियों को कार सहित हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ के बाद चौथे आरोपी का नाम सामने आया। चौथा आरोपी मुंबई वाराणसी ट्रेन से उत्तर प्रदेश जा रहा था। ट्रेन के समय और तीनों द्वारा तय की गई दूरी का विश्लेषण करने के बाद जीआरपीएफ की मदद से आरोपी को नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से हिरासत में लिया गया। अपराध में शामिल आरोपियों से पूछताछ के बाद पता चला कि उन्होंने कलंबोली, खारघर, तलोजा, धुले, दिल्ली में भी इसी तरह के अपराध किए थे। ये आरोपी २०१७ से एक गिरोह में इसी तरह की वारदातों को अंजाम दे रहा है। ये सभी आरोपी हर बार अपना नाम, मोबाइल नंबर और मोबाइल फोन बदल लेते थे। आरोपियों के पास से १५ मोबाइल, २ स्टांप, १ स्टांप पैड, ४ मोबाइल बैटरी, विभिन्न बैंकों के १० एटीएम कार्ड, ३ चेक बुक, १ मोबाइल चार्जर, ४ सिम कार्ड, घडियां, आधार कार्ड, पैन कार्ड हैं। साथ ही आरोपी के कब्जे से लूटी गई कार और शिकायतकर्ता की धोखाधडी की गई स्क्रैप कुल मिलाकर २०,०२,३३२ रुपए कीमती माल व नकदी आदि जब्त कर लिया है। वहीं पुलिस ने जनता से आग्रह किया है कि यदि इस अपराध में गिरफ्तार किए गए आरोपियों ने इस तरह के अपराध किए हैं तो वह आरोपियों के खिलाफ मांडवी पुलिस स्टेशन, मीरा-भायंदर, वसई- विरार पुलिस स्टेशन से संपर्क करें।

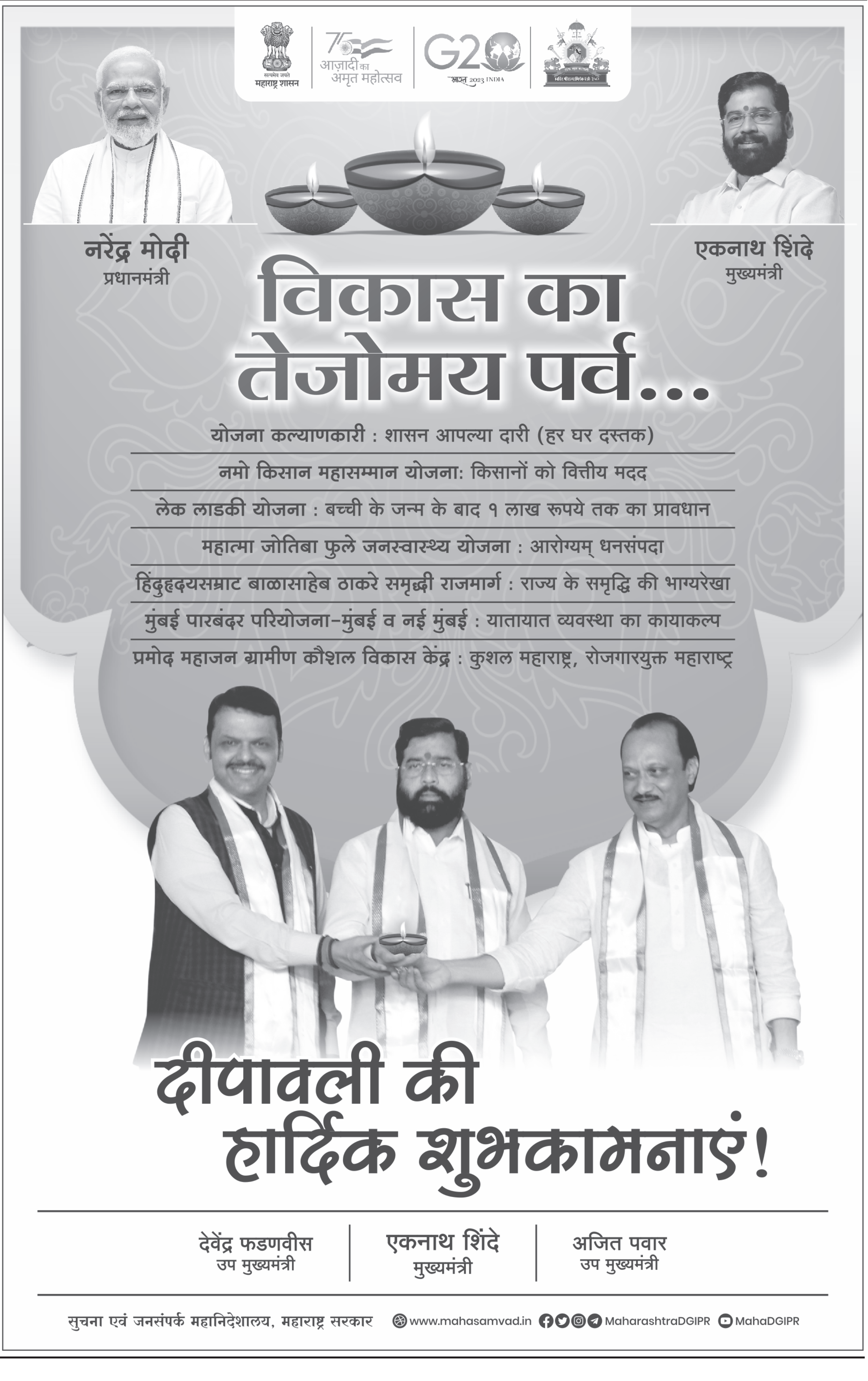

प्लांट नियमों का उल्लंघन कर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं

जेकेएस संवाददाता

मीरारोड : मुंबई सहित आस-पास की महानगरपालिकाओं में बढ.रहे प्रदूषण पर मुंबई उच्च न्यायालय की सख्ती के वाद मीरा-भाईंदर मनपा भी हरकत में आ गई है। मनपा आयुक्त संजय काटकर ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि प्रदूषण से संबंधित नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। उन्होंने प्रदूषण फैलाने वाले सभी संयंत्रों, जैसे- आरएमसी प्लांट, कंस्ट्रक्शन साइट कारखाने आदि पर सख्ती करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा, मनपा की स्प्रिंकल मशीनों ने पेडों, सडक़ों आदि पर पानी का छिडक़ाव शुरू कर दिया है।

आरएमसी प्लांट पर होगी सख्ती मीरा-भाईंदर में दर्जनों आरएमसी प्लांट है। ज्यादातर प्लांट नियमों का उल्लंघन कर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। एमवीएमसी ने आरएमसी प्लांट का निरीक्षण कर इससे संबंधित रिपोर्ट महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भेज दी है। गौरतलब है कि इससे पहले खबरों का स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य मानवाधिकार आयोग प्रदूषण वोर्ड और एमवीएमसी को नोटिस जारी कर चुका है। इसके बाद वोर्ड ने कई प्लांट पर कार्रवाई भी की थी।

बिल्डरों के लिए दिशानिर्देश जारी मनपा आयुक्त ने शहर में निर्माणाधीन इमारतों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। अब निर्माणाधीन इमारतों की साइट पर ग्रीन नेट लगाना अनिवार्य होगा। इसके अलावा, प्रत्येक साइट पर 'टायर वॉशिंग फैसिलिटी' और 'वॉटर स्प्रिंकल सिस्टम' लगाना अनिवार्य होगा। गौरतलब है कि आयुक्त काटकर से उच्च न्यायालय के दिशानिर्देश से पूर्व ही सीसी में इन नियमों को अनिवार्य कर दिया था।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से मिली जानकारी के अनुसार, मीरा-भाईंदर में एयर क्वालिटी इंडेक्स की स्थिति चिंताजनक स्तर के आस-पास है। नवंबर के ८ दिन में का स्तर १७१ से २२५ के बीच बना हुआ था, जबकि १०० से ऊपर जाना खतरे की घंटी है।

शहर के पोखरण रोड नंबर- २ के एक भूखंड पर ९७ पेडों पर जल्द ही कुल्हाडी चलने वाली है। ठाणे मनपा वृक्ष प्राधिकरण समिति ने पेडों को काटने की अनुमति दी है। एक तरफ शहर में दिनो- दिन वायु प्रदूषण बढ.रहा है, हवा खराब हो रही है। ऐसे में, बडी संख्या में पेडों को काटने की अनुमति देने पर पर्यावरणप्रेमी नाराज हैं।

यह भूखंड बिल्डर है। भूखंड पर स्कूल का निर्माण किया जाना है। स्कूल के निर्माण में पेड.आडे.आ रहे थे। इसको लेकर निर्माणाधीन स्कूल के ट्रस्ट ने वृक्ष प्राधिकरण विभाग को पत्र दिया था। इस परिसर में ३१६ वृक्ष है, जिसमें ९७ स्कूल के निर्माणाधीन परिसर में है। स्कूल ट्रस्ट ने अपने एफिडेविट में पेडों को पुनरोपित करने की बात कही है। जो पुनरोपित नही हो सकेंगे, उनकी जगह नए ने पेड़ लगाए जाएंगे।

उक्त प्रस्ताव आयुक्त की मंजूरी के लिए रखा गया था। मनपा आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, वृक्ष प्राधिकरण विभग के अधिकारी और वनविभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक हुई, जिसमे पेड.काटने की अनुमति दी गई। इसके अलावा, क्लस्टर योजना के तहत किसन नगर परिसर में आडे.आ रहे ७५ पेडों को स्थलांतरण करने को कहा गया था.

गंभीर मामले का आरोपी लालु चव्हाण सलाखों के पीछे

जेकेएस संवाददाता

वसई ।आचोले पुलिस स्टेशन (मीरा भाईंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय) ने एनडीपीएस एक्ट मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। पुलिस अधिकारी यह जानकारी सोमवार को दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि, आचोले पुलिस स्टेशन में अपराध रजि. नं. ३१२/२०२३ एनडीपीएस एक्ट १९८५ कलम ८ (क), २२ के तहत २३ जून २०२३ में दर्ज किया गया था। अपराध की जांच में उक्त अपराध में शख्स नाम के लालू उर्फ भावेश प्रभाकर चव्हाण (निवासी नालासोपारा पूर्व) की संलिप्तता पायी गयी.

वारदात को अंजाम देने के बाद से ही उक्त आरोपी फरार था। उसकी तलाश कर दिनांक ३१ अक्टूबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, ६ नवंबर तक कुल ६ दिन तक पुलिस हिरासत में लिया गया था। पुलिस के बताया कि जब उक्त आरोपी का इतिहास जांचा गया तो वह उसके खिलाफ गंभीर मामले विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज है, जिसमे ३०७,३२६,३२४,३८६ आदि धाराएं समावेश है, पुलिस ने कहा कि कुल ०५ मामले दर्ज किये गये हैं। पुलिस ने कहा कि आरोपी लालू उर्फ भावेश प्रभाकर चव्हाण एक शातिर अपराधी है जो विभिन्न अपराध करता है, और वह एक साथीदार के साथ अपराध करता है। आचोले पुलिस स्टेशन में अपराध रजि. नं. ३१२/२०२३ एनडीपीएस एक्ट १९८५ कलम ८ (क) २२ इस अपराध में उसने अपने साथी के साथ मिलकर इस अपराध को अंजाम दिया, (१). अदनान मोहम्मद हुसेन खान, (२). आयान इरशाद खान, (३) आसु ऊर्फ अशरफ आसिफ शेख, (४) अजित गुलाबचंद कनोजीया, (५) मंगल गोपी वंजारा, वह फोन पर ऑर्डर लेता था और ऑर्डर के मुताबिक मादक पदार्थ गांजा बेचता था, उक्त अपराध में आपकी संलिप्तता उजागर नहीं होनी चाहिए, ऐसे प्रयास किए गए लेकिन तकनीकी विश्लेषण के आधार पर मुख्य आरोपी की संलिप्तता स्थापित की गई और उसे सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की तहकीकात पो.उप.नि.सुहास म्हात्रे कर रहे है। यह कार्रवाई डीसीपी पौर्णिमा चौगुले श्रींगी व एसीपी विनायक नरले के मार्गदर्शन में आचोले पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई बालासाहेब पवार व पुलिस निरीक्षक अपराध विवेक सोनवणे के नेतृत्व में स.पो.नि. यशपाल सुर्यवंशी, पो.उप.नि. सुहास म्हात्रे की टीम ने की है।

आग बुझाने के लिए दौडेगी फायर बाइक

भाईंदर : १० नवंबर २०२३ को मीरा भायंदर नगर निगम मान. अग्निशमन विभाग के लिए खरीदी गई १६ फायर बाइक का उद्घाटन आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर (बी.पी.एस.) की उपस्थिति में किया गया। उक्त अवसर पर अति. आयुक्त अनिकेत मनोरकर, उपायुक्त (अग्निशमन विभाग, मुख्यालय) मारुति गायकवाड, उपायुक्त कल्पिता पिंपले, अग्निशमन विभाग अधिकारी प्रकाश बोराडे, नगर निगम अधिकारी और अग्निशमन विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

अग्निशमन विभाग ने ३५० सीसी इंजन वाली १६ फायर बाइक खरीदकर दक्षता की ओर कदम बढाया है। प्रत्येक फायर बाइक में ३५ लीटर का पानी का टैंक होगा। बाइक में वॉटर मिस्ट तकनीक लगाई गई है और यह तकनीक हवा को ठंडा कर आग बुझाने में काफी मदद करेगी। बाइक पर नोजल गन के साथ २० मीटर लंबी नली रील उपलब्ध है और जेट की लंबाई १० मीटर रखी गई है। अधिक दबाव के कारण पंप की पानी डिस्चार्ज क्षमता ८ से ९ लीटर प्रति मिनट हो जायेगी. उक्त फायर बाइक का उपयोग छोटी एवं प्राथमिक स्तर की आग को बुझाने के लिए किया जाएगा। साथ ही इस बाइक की मदद से भीड़-भाड.वाली सडक़ों पर भी समय पर घटना स्थल पर पहुंचना संभव हो सकेगा और अग्निशमन सेवाएं तुरंत उपलब्ध कराने में भी काफी मदद मिलेगी। आयुक्त एवं प्रशासक संजय श्रीपतराव काटकर (भा.पु.से.) ने व्यक्त किये।

राज ऑयल मिल्स के खिलाफ कार्रवाई, ऑयल को किया सील

जेकेएस संवाददाता

पालघर : मिलावटखोर भी मिठाइयों से लेकर सभी तरह के व्यंजनों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री में मिलावट कर मुनाफा करने का धंधा बढाने में लग गए हैं। ऐसे में जिले में खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने बडी कार्रवाई की है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने मनोर के करीब टेन गांव में स्थित राज ऑयल मिल्स के खिलाफ कार्रवाई कर ९१ लाख रुपए से अधिक के अनफोर्टिफाइड ऑयल स्टॉक को सील कर दिया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के अनुसार, तेल के डिब्बे पर लगे स्टीकर के अनुसार तेल फोर्टिफाइड न होने के कारण यह कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में २७ हजार ९८५ किलोग्राम तेल का स्टॉक सील कर दिया गया है। ऑयल टैंक पर दी गई जानकारी के अनुसार, फोर्टिफिकेशन न करने पर कार्रवाई की गई है। कोंकण संभाग के संयुक्त आयुक्त के निर्देशानुसार मनोर वाडा रोड पर टेन गांव स्थित राज ऑयल मिल्स में खाद्य तेल के स्टॉक का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाया गया कि कंपनी में बिना फोर्टिफिकेशन के एक लीटर क्षमता के तेल कंटेनरों में खाद्य तेल का भंडारण किया जा रहा था। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन की जांच में पाया गया कि तेल के डिब्बे पर लगे स्टीकर पर जानकारी दी गई थी कि विटामिन ए और डी को फोर्टिफिकेशन के लिए इसमें मिलाया गया है, लेकिन वास्तविक फोर्टिफिकेशन नहीं किया गया था। जप्त तेल के नमूने जांच के लिए मुंबई की प्रयोगशाला में भेजा गया है। फोर्टिफाइड तेल सामान्य की अपेक्षा २० से २५ रुपए प्रति लीटर महंगा किसी भी तेल को फोर्टिफाइड किए जाने के लिए एक मशीन का उपयोग किया जाता है। इससे तेल में विटामिन ए और डी मिलाए जाते हैं। इसके बाद तेल को पैक करके बेचने से उसकी कीमत सामान्य तेल से २० से २५ रुपए प्रति किलो ज्यादा हो जाती है। गोडाउन पर ऐसी कोई मशीन नहीं मिली, जिससे यह साबित हो सके कि तेल फोर्टिफाइड ही है। बता दें कि बीते दिनों पालघर एफडीए की टीम ने नकली मावा पकडा था, जिसकी कीमत ४५ लाख रुपए आंकी गई है। इन सभी मिलावटी सामानों के सैंपल की जांच की जा रही है, जांच में अभी तक करीब ३,००० किलो मावा फेल पाया गया है। वभिाग ने जेसीबी मशीन से गड्ढा खुदवाकर उसको नष्ठ किया है। गुजरात और राजस्थान से मावा की सप्लाई सबसे ज्यादा मुंबई में होती है। पालघर-मुंबई का बॉर्डर पडत़ा है और यहां पर गुजरात व राजस्थान से आने वाली बसों और ट्रकों की जांच में मिलावटी सामानों की ये खेप पकडी गई. इस बीच देखा जाए तो दिवाली के मौके पर मिठाई की खपत ज्यादा हो जाती है, ऐसे में मिलावटी सामानों का खपत भी बढ.जाती है।

गौतस्करों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की उठी मांग, आरोपी गिरफ्तार

जेकेएस संवाददाता

पालघर : पालघर में गौतस्कर इतने बेखौफ हो चुके हैं कि वो अब खुलेआम गौवंशों की चोरी करने लगे हैं और जब लोग उन्हें रोकने को कोशिश करते हैं तो वो उन पर हमला करने से भी परहेज नहीं कर रहे हैं। मामला गुरुवार सुबह पालघर इलाके का है, जहां कई गौतस्कर गौवंशों की चोरी कर उसे काटने के लिए ले जा रहे थे। लेकिन इस बात की भनक गौरक्षकों और पुलिस को लग गई। इसके बाद पुलिस ने पालघर-मनोर मार्ग पर मासवन इलाके में नाकेबंदी कर जब उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर ही जानलेवा हमला कर दिया। दो वाहनों (इनोवा और स्कोर्पियो कार) और कई मोटरसाइकिलों को पुलिस ने रोका, जो बृहस्पतिवार को तडक़े करीब पांच बजे जिले में मनोर की ओर जा रहे थे, तो तस्करों ने इनोवा कार से रफ्तार तेज कर जब भागने का प्रयास किया, तब उपनिरीक्षक रवींद्र वानखेडे.ने गाडी को रोकना चाहा तो कार उन्हें कुचलती हुई एक पुल की रेलिंग से जा टकराई। पुलिस ने बताया कि पुलिसकर्मी राकेश पाटील ने अन्य वाहन को रोकने का प्रयास किया, जिसमें उनके हाथ में चोट आई है। पुलिसकर्मियों को चोट आने के बावजूद दल ने इनोवा, स्कोर्पियो और दो मोटरसाइकिलों को जब्त कर लिया। पुलिस ने दो गौतस्करों को गिरफ्तार कर लिया और ७ अन्य मौके से फरार हो गए, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। गौरक्षकों ने बताया कि गौतस्करी की उन्हें जानकारी मिली थी। इसके बाद पुलिस के साथ

मिलकर २ तस्करों को पकडा गया है। हिंदूवादी संगठनों ने आरोप लगाया कि गौतस्करी की घटनाओ में लगातार बढोतरी हो रही है। देश में तस्करों के खिलाफ सख्त कानून न होने से गौतस्करी में लिप्त बदमाशों का मनोबल बढ.रहा है। गौतस्करों के खिलाफ सख्त कानून लाए जाने की मांग की है। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि चुराए गए मवेशियों को लाने-ले जाने में शामिल नौ लोगों में से दो को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। पालघर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत हत्या के प्रयास सहित कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज किए हैं। गौतस्कर रात में कार लेकर निकलते हैं। किसी जंगल या सुनसान जगह पर जहां कोई गौवंश मिलता हो तो उसे नशीला इंजेक्शन देकर बेहोश कर देते हैं। इसके बाद उसे कार में डालकर ले जाते हैं। कार के शीशे पर कपडा आदि डाल देते हैं।

श्री गणेशाय नमः
JKS
जन कल्याण सेवा
का जनता दरबार
364 दिन सुबह 10.00 से शाम 8.00 बजे तक
गैरकानूनी धन्धे, सोसायटी समस्या, कामगारों की समस्या, सरकारी दफ्तरों में नहीं हो रही सुनवाई, फ्रेंडशिप धोखाधड़ी, पारिवारिक विवाद, लैंड पोजीशन, स्कूल, अस्पताल, बिल्डर, इंटरनेट धोखाधड़ी,आपके क्षेत्र में किसी भी प्रकार की समस्या है|
CONTACT NO. 9757262120 | jksnewss@gmail.com | https://jksnews.com/

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक-मुद्रक सीमा गुप्ता के लिए (प्रिंटींग) सागर प्रिंट एंड प्रोसेस, प्रगती इंडस्ट्रीयल, एन.एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल (पूर्व), मुंबई - ४०००११ से मुद्रित १०१, १ला माला सेक्टर ११ सी-२८, टी.एम.टी. बस स्टॉप के पीछे, शांतिनगर, मीरारोड (पूर्व), जिला थाना ४०११०७ (महाराष्ट्र) से प्रकाशित संपादक - सीमा गुप्ता, सलाहकार : सुधाकर डी., पी.आर.बी अधिनियम के अंतर्गत समाचारों के चन के लिए उत्तरदायी है। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल जिला थाना रहेगा।
RNI NO. MAHHIN/2004/17839 Mob.No.9757262120 Email :newsjankalyanseva@gmail.com Jankalyan Seva GST No. 27AGUPG9011BIZI